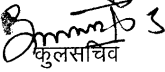




**दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)**

**(अध्ययन केन्द्रों की स्थापना हेतु विज्ञापन)**

निर्देशानुसार, इस विभाग द्वारा संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर (व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को छोड़कर) पाठ्यक्रमों के लिये, जीवाजी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में अध्ययन केन्द्र स्थापित/मान्य करने हेतु निर्धारित प्रपत्र पत्र पर निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन पत्र आमांत्रित है, आवेदन पत्र शीलबन्द लिफाफे में स्पीड पोस्ट से कुलसचिव जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के नाम (दूरस्थ शिक्षण अध्ययन केन्द्र हेतु आवेदन लिफाफे पर लिखा हो) दिनांक 30/6/13 तक प्राप्त हो जाना चाहिये, अधुरे एवं अपात्र प्रकरणों पर विचार नहीं किया जावेगा। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं तत् सम्बन्धी नियमावली विश्वविद्यालय की वेबसाइट WWW.Jiwaji.Edu.com पर उपलब्ध है।

  
कुलसचिव

# जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

दूरस्थ शिक्षण पद्धति द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिये अध्ययन केन्द्र की  
स्थापना हेतु।

आवेदन पत्र – वर्ष 2013-14

1. आवेदक महाविद्यालय का नाम.....
2. पत्र व्यवहार हेतु पता.....  
मोबाईल नं.....वेवसाइट.....
3. महाविद्यालय प्रबन्धन का प्रकार—(शासकीय/अनुदानित/गैरअनुदानित).....  
.....
4. महाविद्यालयीन क्षेत्र—(नगरीय/महानगरीय/ग्रामीण).....
5. महाविद्यालय की स्थापना वर्ष ..... विश्वविद्यालय से प्रथम वार सम्बद्धता स्वीकृति वर्ष.....से ..... तक निरन्तर प्राप्त।
6. विगत तीन वर्षों से सम्बद्धता स्वीकृति का विवरण (पत्र की प्रतियां सलग्न करें) —  
(अ) बी.ए. (विषय वार).....  
(ब) बी.कॉम .....  
(स) बी एस.सी.(विषय वार).....  
(द) अन्य स्नातक पाठ्यक्रम .....  
(य) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम विषयवार .....  
(ज) अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम .....
6. महाविद्यालय में विगत तीन वर्षों में नियमित पाठ्यक्रमों में छात्र संख्या विवरण —  
(अ) स्नातक पाठ्यक्रमों में (पाठ्यक्रम वार विवरण दे).....  
.....  
(ब) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में (विषयवार विवरण दे).....  
.....
7. यदि महाविद्यालय पूर्व से अध्ययन केन्द्र मान्य रहा है, तो दूरस्थ शिक्षण में विगत तीन वर्षों की छात्र संख्या का विवरण दें —

- (अ) स्नातक पाठयक्रमों में (पाठयक्रम वार विवरण दे) .....
- (स) स्नातकोत्तर पाठयक्रमों में (विषयवार विवरण दे) .....
8. महाविद्यालय के नियमित पाठयक्रमों के छात्रों की परीक्षा के लिये विगत तीन वर्षों से परीक्षा केन्द्र का विवरण दे –
- (अ) यदि आपके महाविद्यालय में बनाया गया है तो (वर्षवार विवरण दे)
- .....
- (ब) अन्य निकटवर्ती महाविद्यालय में बनाया गया तो उसका विवरण दे।
- .....
9. महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दें –
- (अ) पुस्तकालय में पाठयक्रम एवं विषयवार पुस्तकों की संख्या का विवरण दे .....
- (ब) शिक्षण कार्य हेतु नियुक्त शिक्षकों का विषयवार विवरण दे नियुक्ति का प्रभार भी लिखें .....
10. दूरस्थ शिक्षण से अध्ययन केन्द्र की स्वीकृति हेतु वांछित पाठयक्रम (संचालित पाठयक्रमों से चयन करें) –
- (अ) स्नातक पाठयक्रम (संचालित पाठयक्रमों से चयन करें).....
- .....
- (ब) स्नातकोत्तर पाठयक्रम (संचालित पाठयक्रमों से चयन करें).....
- .....
- (स) व्यावसायिक पाठयक्रम(संचालित पाठयक्रमों से चयन करें).....
- .....
11. अध्ययन केन्द्र शुल्क का विवरण दें –
- (अ) प्रथमवार अध्ययन केन्द्र की स्थापना हेतु केन्द्र शुल्क रु. 25000- / का डी.डी. क्रमांक.....दिनांक .....
- बैंक का नाम..... (संलग्न करें) ।
- (ब) नवीनीकरण हेतु (वार्षिक शुल्क रु. 5000/-) केन्द्र लिये

शुल्क रु.....का दिनांक ड्राफ्ट शुल्क .....

दिनांक ..... बैंक .....

(संलग्न करें)।

12. संलग्न प्रपत्रों की सूची

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

हस्ता. एवं शील  
महाविद्यालय शाखी निकाय/प्रबंध समिति  
अध्यक्ष/सचिव

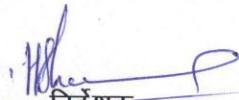
हस्ता. एवं शील  
प्राचार्य  
महाविद्यालय

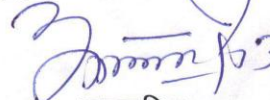


# जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

## दूरस्थ अध्ययन केन्द्र स्थापना की स्वीकृति हेतु प्रावधान एवं प्रक्रिया।

1. जीवाजी विश्वविद्यालय से सम्बद्धता (विगत तीन वर्षों से निरन्तर) प्राप्त कोई भी महाविद्यालय आवेदन कर सकता है।
2. दूरस्थ शिक्षा पद्धति के लिये आवश्यक सुविधाये, यथा, शिक्षक, पुस्तकालय प्रयोगशालाये, स्थाई प्राचार्य, (धारा 28(17) मे नियुक्त) का होना आवश्यक है।
3. आवेदक महाविद्यालय द्वारा आवेदन पत्र, प्रेषित करने के पश्चात विश्वविद्यालय द्वारा उसका परीक्षण/भौतिक सत्यापन कर सम्बंधित समिति की अनुसशायों को माननीय कुलपति महोदय के अनुमोदन के पश्चात स्वीकृति प्रदान की जा सकेगी। परीक्षा केन्द्र का निर्धारण, विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों के अन्तर्गत ही होगा। आवेदन पत्र, अमान्य होने पर केन्द्र शुल्क आवेदक महाविद्यालय को, मूलतः तत्काल वापस कर दी जावेगी।
4. अध्ययन केन्द्र मान्य होने पर सम्बाधित महाविद्यालय स्वीकृत पाठयक्रमों में छात्रों को निर्धारित दिनांको तक प्रवेश दे सकेगा, तथा छात्रों से निर्धारित शुल्क जमा करा सकेगे। एवं निर्धारित अंतिम तिथि तक वांछित विवरण के साथ, निदेशक, दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला की जी.वि.वि. ग्वालियर को जमा करा सकेगे।
5. समस्त प्रकार की शुल्कें "कुलसचिव जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर" के नाम डिमांड ड्राफ्ट के रूप में निर्देशक दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर को भेजी जा सकेगी।
6. मान्य अध्ययन केन्द्र, छात्रों के प्रवेश, नामांकन, सम्पर्क कक्षाओं, का आयोजन, प्रदत्त कार्य (आंतरिक मूल्यांकन) प्रोजेक्ट कार्य, परीक्षा तथा वार्षिक परीक्षाओं का आयोजन एवं अंकसूचियों का वितरण का कार्य करेगे इस हेतु उन्हें, रु 200/- प्रति छात्र (स्नातक पाठयक्रम) एवं रु 300/- प्रति छात्र स्नातकोत्तर पाठयक्रम प्रति छात्र की वित्तीय सहायता, विश्वविद्यालय द्वारा, दी जावेगी। यह वित्तीय सहायता दो किस्तों में दी जा सकेगी प्रथम किस्त छात्रों की प्रवेश सूची एवं शिक्षण शुल्क जमा करने के पश्चात, एवं द्वितीय किस्त, छात्रों का परीक्षा परिणाम घोषित किये जाने के पश्चात देय होगी। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा स्व निर्देशित शिक्षण सामग्री / पुस्तकों की आपूर्ति भी की जावेगी।
7. मान्य अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाये गये तत्सम्बंधी नियमों का कडाई से पालन करेगे। शिकायत पाये जाने एवं दोषी पाये गये महाविद्यालयों का दूरस्थ शिक्षण अध्ययन केन्द्र, विश्वविद्यालय द्वारा, अमान्य किया जा सकेगा। इस सम्बंध में माननीय कुलपति महोदय एवं कार्य परिषद का निर्णय अंतिम आप में मान्य होगा।

  
निर्देशक  
दूरस्थ शिक्षण अध्ययनशाला  
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

  
कुलसचिव  
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर